



# Shree Greater Bombay Vardhman Sthanakvasi Jain Mahasangh-Mumbai

Conducted

MATUSHREE MANIBEN MANSI BHIMSHI CHHADVA DHARMIK SHIKSHAN BOARD – MUMBAI

धार्मिक शिक्षण बोर्ड

Website : jaineducationboard.org

E-mail : jainshikshanboard@gmail.com

१६ जुलाई २०२३ – जैनशाळा पेपर - गुण : १०० - समय : ३ से ६

## श्रेणी-३

Student Name		Roll No.	
Date of Birth		Mobile No.	
Sangh Name		Supervisor Name	
Jainshala Name		Supervisor's Signature	

### Marks

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	Total

### प्रश्न.१ सूत्र विभाग

(अ) पाठ पूर्ति करो। (१०)

(१) वत्थ ..... , ..... , ..... , ..... , फलग

(पाढियारु, कंबल, पडिग्गह, पीढ, पायपुच्छणेणं)

(२) तेन्नाहडे ..... , ..... , ..... , ..... , अवात्रीजा व्रतने

(तप्पडिरुवग्ग ववहारे, तक्करप्पआगे, कुडतोले कुडमाणे, विरुध्ध रज्जाइक्कमे)

(३) उस्सुतो ..... , ..... , ..... , ..... , दुव्विचिंतिओ

(दुज्झाओ, अकप्पो, उमग्गो, अकरणिज्जो)

(४) देवसियाअे ..... , ..... , ..... , ..... , मण दुक्कडाअे

(मिच्छाअे, जंकिचि, तितीसन्नयराअे, आसायणाअे)

(५) जिणवरा, ..... , ..... , ..... , ..... , महिया

(वंदिय, कितिय, तित्थयरा मे, पसीयंतु)

**(ब) जोडकां जोडो।**

**(१०)**

(१) कितईस्सं	<input type="text"/>	(१) शिक्षाव्रत
(२) सिव	<input type="text"/>	(२) बाधा पीडा थइ होय तो
(३) किलामिया	<input type="text"/>	(३) मळ्येथी आज्ञा लईने
(४) सव्व कालियाअे	<input type="text"/>	(४) कषाय
(५) कओ	<input type="text"/>	(५) श्रावक धर्मनुं
(६) सावग धमस्स	<input type="text"/>	(६) कर्या होय
(७) कसायाणं	<input type="text"/>	(७) सर्व काळ संबधी
(८) समाणे	<input type="text"/>	(८) किलामना ग्लानि उत्पन्न करी होय
(९) किलामो	<input type="text"/>	(९) उपद्रव राहित
(१०) सिक्खावयाणं	<input type="text"/>	(१०) नाम लईने किर्तन स्तुति करीश

**प्र.२.**

**(अ) साचो जवाब शोधीने लखो।**

**(१०)**

(आत्मानि साक्षीअे निंदा करुं छुं, आशतना वडे, सूत्र विरुद्ध कर्युं होय, न कखा योग्य, अड्ढणुण्णाअे, न शुद्ध कर्युं होय, रोग रहित, गहाँ करुं छुं, ओडकार आववाथी, धुळे करी ढांक्या हाय)

(१) वत्तिया _____	(६) आसायणाअे _____
(२) उड्डुअेणं _____	(७) आज्ञा _____
(३) गरिहामि _____	(८) अकरणिज्जो _____
(४) मरुय _____	(९) उस्सुतो _____
(५) न सोहियं _____	(१०) निंदामि _____

**(ब) अयोग्य शब्द ने गोळ (Circle) करो।**

**(१०)**

- (१) तित्थयराणं, वयसा, संयसबुद्धाणं, पुरिसुतमाणं.
- (२) सागर वर गंभीरा, ववरोविधा, सिद्धा, सिद्धि, मम दिसंतु
- (३) ज्ञान, वयसा, दर्शन, चारित्र, तप.

- (४) कओ, काइओ, वाइओ, सामाइयं
- (५) मणदुक्कडाअे, वयदुक्कडाअे, कायदुक्कडाअे, कायदुप्यणिहाणे
- (६) नमो अरिहंताणं, नमो सिध्धाणं, नमो आयरियाणं, नमो तित्थस्स
- (७) अभय दयाणं, उस्सिअेणं, चकखु दयाणं, मग्गदयाणं
- (८) खासिअेणं, तिन्नाणं, छीअेणं, जंभाइअेणं
- (९) कल्लाणं, मंगलं, पणग, चेइयं
- (१०) लेसिया, संघाइया, ताव, संघट्टिया

**प्र.३**

**(अ) नीचेना प्रश्नना जवाब लखो।**

**(१०)**

(१) प्रतिक्रमण शेनुं करवामां आवे छे ?

---

(२) अणुव्रत अने महाव्रतनुं पालन जीवनमां कोण करे छे ?

---

(३) ज्ञान अटले शुं ?

---

(४) प्रतिक्रमण ना बीजा पाठमां सौथी मोटुं अेक पाप छुपायुं छे ते कयुं ?

---

(५) त्रीजा पाठनुं बीजुं नाम शुं छे ?

---

(६) खमासमणो अटले शुं ?

---

(७) प्रतिक्रमण नो टुंकमा सार बतावतो पाठ कयो छे ?

---

(८) प्रतिक्रमण नी आज्ञा लेवानो पाठ कयो छे ?

---

(९) महाव्रत अटले शुं ?

---

(१०) त्रीजो पाठ कया आसने बेसीने बोलाय छे ?

---

(ब) साचुं छे के खोटुं ते टीक करो ।

(०५)

(१) प्रतिक्रमणना त्रीजा पाठनुं नाम दशावर्त गुरुवंदना सूत्र छे ।

(२) चोथुं शिक्षाव्रत अतिथि संविभाग व्रत छे ।

(३) ज्ञानना अतिचार १४ छे ।

(४) छठाव्रतमां भोजननां पांच अतिचार छे ।

(५) १९ अतिचारनो काउसग्ग सामायिकमां आवे छे ।

**प्र.४**

(अ) मने ओळखो ।

(१०)

(१) मारा भेद ३८ छे ।

---

(२) हुं हैयाभर पेट थी चालु छुं ।

---

(३) मारामां तांतणा के रेसा होय छे ।

---

(४) हिंचके हिंचकवाथी मारा जीवनी हिंसा थाय छे ।

---

(५) मारो आकार सोयना भारा जेवो छे ।

---

(६) पथ्थर, शिला अे मारो भेद छे ।

---

(७) मारो वर्ण नीलो छे ।

---

(८) मारो स्वभाव ज्ञान अने दर्शन छे ।

---

(९) हुं सदगतिमां जवानुं कारण छुं ।

---

(१०) शाश्वता सुखनुं स्थान हुं छुं ।

---



(ब) आंकडामां जवाब लखो।

(१०)

- (१) कंदमूळना त्यागथी थतां लाभ नां केटला मुदा छे ?
- (२) चार्तुमास प्रारंभ अषाढ सुद कई तीथीअे थाय छे ?
- (३) जीवना कुल भेद केटला छे ?
- (४) चौरौन्द्रियना कुळ केटला क्रोड छे ?
- (५) मनुष्यना कुल भेद केटला छे ?
- (६) तेइन्द्रिय नुं उत्कृष्ट आयुष्य केटला दिवसनुं छे ?
- (७) देवतानी उत्कृष्ट स्थिती केटली छे ?
- (८) कर्मभूमि केटली छे ?
- (९) वनस्पतिकाय ना भेद केटला छे ?
- (१०) नारळीना कुळ केटला होय ?

  
  
  
  
  
  
  
  
  
  

(क) साचुं छे के खोटुं ते लखो।

(०५)

- (१) कंदमूळ खावाथी अनंता जीवोनी दया पळाय छे।
- (२) ज्ञान, दर्शन अे रागनुं स्वरुप छे।
- (३) मारा जीवननुं लक्ष्य मोक्ष छे।
- (४) सत्य बोलवुं, चोरी-छतरापिंडी नहि करवी ते सरळता छे।
- (५) संतोष राखीने हुं “लोभ” नो नाश करीश।

  
  
  
  

प्र. ५

(अ) जोडका जोडो।

- (१) २२ मां तिर्थकर  (१) श्रावक ना १२ व्रत
- (२) वाणिज्य नगर  (२) श्री कृष्ण वासुदेव
- (३) द्वारिका नगरी  (३) राजेमति
- (४) उग्रसेन राजा  (४) जितशत्रु राजा
- (५) आनंद श्रावक  (५) श्री नेमनाथ भगवान

(ब) नीचेना प्रश्ननां अेकज शब्दमां जवाब लखो ।

(०५)

(१) द्वारिका नगरी पासे आवेला पर्वतनुं नाम शुं छे ?

(२) गजसुकुमारना गुरु कोण हतां ?

(३) कोनी पत्नीनुं नाम शिवानंदा हतुं ?

(४) श्री कृष्ण वासुदेव ना शंख नाम शुं हतुं ।

(५) कोनुं ताळवुं हाथीना ताळवा जेवुं सुकोमळ हतुं ?

प्र.६) काव्य विभाग ।

(१०)

(१) अमृत झरे .....

..... हुं तो विभु :

(२) रात्रि गुमावी .....

..... बदले जाय

(३) गुणथी भरेला .....

..... अर्ध्य रहे

(४) दया ते .....

..... फळ जाण

(५) शुं बाळको .....

..... नव उच्चरे ?